

प्रेषक,

अरुण कुमार ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
जनजाति कल्याण, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-01.

देहरादून, C/ मई 2008

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित "अनुदान संख्या-31" के "आयोजनागत पक्ष" में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-268/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च 2008 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित "अनुदान संख्या-31" के "आयोजनागत पक्ष" में संलग्नक के अनुसार रुपये 7,13,37,000/- (रुपये सात करोड़ तेरह लाख सैंतीस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमासिक आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
2. जिन योजनाओं में विगत वर्षों की प्रतिपूर्ति प्राप्त की जानी अवशेष हो उनमें समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए, भारत सरकार को समय-से ऑडिट की हुई प्रतिपूर्ति के देयक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
3. वित्तीय वर्ष 2008-09 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान, यदि कोई हो, के विवरण की सूचना पृथक से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
4. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल उक्तानुसार स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
5. उक्त आवंटित धनराशि व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
6. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता के दृष्टिगत नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जाए, जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है। वित्तीय स्वीकृतियों के सापेक्ष व्यय का अनुश्रवण भी सुनिश्चित किया जाए।
7. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर परचेज रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
8. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आहरण-वितरण अधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी.एम.-17 पर निर्धारित समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

9. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुवल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
10. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
11. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए। बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की "अनुदान संख्या-31" के "आयोजनागत पक्ष" के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।
13. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च 2008 तथा शासनादेश संख्या-326/XXVII(1)/2008, दिनांक 23 अप्रैल 2008 में प्राप्त निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांक संख्या : 387(1)/XVII-1/2008-10(19)/2007, तददिनांक :
प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त कोषाधिकारी/जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. आदेश पत्रिका।

आज्ञा से,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)
अपर सचिव।

लेखाशीर्षक	: 2225-02-277-06-00
मुख्य शीर्षक	: 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक	: 02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण
लघु शीर्षक	: 277-शिक्षा
उप शीर्षक	: 06-राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना
ब्यौरेवार शीर्षक	: 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
01-वेतन	2200
02-मजदूरी	50
03-महंगाई भत्ता	1650
04-यात्रा व्यय	40
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	15
06-अन्य भत्ते	242
08-कार्यालय व्यय	100
09-विद्युत देय	500
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	100
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	805
13-टेलीफोन पर व्यय	90
18-प्रकाशन	20
19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	30
25-लघु निर्माण कार्य	70
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	5420
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	100
29-अनुरक्षण	350
31-सामग्री और सम्पूर्ति	1300
39-औषधि तथा रसायन	35
41-भोजन व्यय	2640
44-प्रशिक्षण व्यय	30
45-अवकाश यात्रा व्यय	100
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	190
48-महंगाई वेतन	1100
योग	17177

(रुपये एक करोड़ इकहत्तर लाख सत्तर हजार मात्र)

1. अनुदान संख्या-31

आयोजनागत

लेखाशीर्षक

: 2225-02-277-04-00

मुख्य शीर्षक

: 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण

उप मुख्य शीर्षक

: 02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण

लघु शीर्षक

: 277-शिक्षा

उप शीर्षक

: 04-अनुसूचित जनजातियों के लिए राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का रखरखाव

ब्यौरेवार शीर्षक

: 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
01-वेतन	15800
02-मजदूरी	100
03-महंगाई भत्ता	11850
04-यात्रा व्यय	60
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	10
06-अन्य भत्ते	1738
08-कार्यालय व्यय	500
09-विद्युत देय	850
10-जलकर/जलप्रभार	235
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	100
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	1000
13-टेलीफोन पर व्यय	100
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	1120
18-प्रकाशन	2
19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	5
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	800
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	20
31-सामग्री और सम्पूर्ति	2762
39-औषधि तथा रसायन	10
41-भोजन व्यय	2000
45-अवकाश यात्रा व्यय	20
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	20
48-महंगाई वेतन	7900
योग	47002

(रुपये चार करोड सत्तर लाख दो हजार मात्र)

लेखाशीर्षक : 2225-02-800-10-00
 मुख्य शीर्षक : 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण
 लघु शीर्षक : 800-अन्य व्यय
 उप शीर्षक : 10-एकीकृत जनजाति विकास परियोजना
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
01-वेतन	2057
02-मजदूरी	100
03-महंगाई भत्ता	1543
04-यात्रा व्यय	40
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	15
06-अन्य भत्ते	227
08-कार्यालय व्यय	60
09-विद्युत देय	438
10-जलकर/जलप्रभार	110
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	70
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50
13-टेलीफोन पर व्यय	40
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	115
17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	500
18-प्रकाशन	12
19-विज्ञापन बिक्री और विख्यापन व्यय	12
22-आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	10
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	110
44-प्रशिक्षण व्यय	15
45-अवकाश यात्रा व्यय	565
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	40
48-महंगाई वेतन	1029
योग	7158

(रुपये इकहत्तर लाख अठावन हजार मात्र)

महायोग	71337
(रुपये सात करोड़ तेरह लाख सैंतीस हजार मात्र)	

अरुण कुमार ढोंडियाल
 (अरुण कुमार ढोंडियाल)
 अपर सचिव।